दुहाई देने वाला, देवी देवताओं को गाली देने वाला मत्रों का मारात्मकता-:

By 💖 Prakash Ji 💖

जब भी आप दुहाई देने वाला, देवी देवताओं को गाली देने वाला.... कोई साबर मंत्र का अनुष्ठान कर रहे हैं..... या फिर ऐसी कोई साबर मंत्र का अनुष्ठान कर रहे हैं जिस शाबर मंत्र में देवी देवताओं के लिए नीच स्तर की बात की गई हो...... तो ऐसे स्थिति में आपको चाहिएकी...... अगर आप उस अनुष्ठान के रूप में लिए हैं तो चाहें उस मंत्र से आपका मनोकामना पूर्ति हो या ना हो..... निर्दिष्ट समय अवधि की समाप्ति के बाद आपको चाहिए कि आप उसका पूर्ण रूप से प्रायश्चित करें। उसे देवी अथवा देवता के नाम से उपवास पालन करें। अनुष्ठान का क्रम जितने दिन था कम से कम इतने दिन इस देवी अथवा देवता को जो भोग लगता हो उस भोग को खाकर ही अपने जीवन रक्षा करें।पवित्र तीर्थ में स्नान करें। इसके अभाव में बहते हुए नदी जल में स्नान करें। सुविक्षात् प्रतिष्ठित शिवलिंग का दर्शन करें तथा जाने अनजाने में हुए पाप के लिए क्षमा मांगे। इन दिनों में महामृत्युंजय मंत्र का निश्चित रूप से जाप करें। जिस देवी देवता के बारे में वह मंत्र था उस देवी देवता के मंदिर में जाकर झाड़ू पोछा करें। उस मंदिर में आने वाले भक्तों की चप्पल साफ करें।उस देवी अथवा देवता से संबंधित भक्तों को तन मन प्राण धन देकर सेवा करें। इसके अलावा

निर्दिष्ट देवी देवता के लिए अलग-अलग प्रायश्चित विधान भी होता है..... आपके द्वारा जाप किया गया मंत्र से ही पता चल सकता है कि आपको कौनसा प्रायश्चित करना चाहिए। अन्यथा अगर आप दुहाई देने वाला, देवी देवताओं को गाली देने वाला.... कोई साबर मंत्र का अनुष्ठान कर रहे हैं..... या फिर ऐसी कोई साबर मंत्र का अनुष्ठान कर रहे हैं जिस शाबर मंत्र में देवी देवताओं के लिए नीच स्तर की बात की गई हो...... और ऊपर से बोल रहे हैं कि यह तो अभिमान,प्रेम बस दुहाई दिया गया था या अपमानित किया गया था...... तो लिख कर रख लीजिए इस बात को...... जीवन में ऐसे ऐसे आपदा आएगा ऐसे ऐसे महाविपत्ति आएगा...... ग्रह नक्षत्र के उपाय करते-करते थक जाएंगे..... दिखने के लिए तो आंसू बहता होगा आपकी आंखों से..... पर आई हुई आपदा इतना प्रबल होता कि आपका आत्मा रो रहा होगा 👍 ।

अगर कोई ऐसे मित्रों का जाप कर रहे हैं और प्रायश्चित नहीं कर रहे हैं तो देखिए आपके जीवन में वह पल आ चुका होगा जो मैं पोस्ट में कहां हूं अगर नहीं आया है तो चिंता मत करें ..... जरूर आएगा लिखकर रख लीजिए..... ।